पुलिया चौड़ीकरण पर लगा ब्रेक, क्योंकि सड़क निर्माण के लिए नहीं मिला फंड

नवभारत न्यूज

बैतूल, 4 अक्टूबर. गंज क्षेत्र की संकरी पुलिया को चौड़ा करने के लिए नगरपालिका ने योजना बनाई है।

गंज मैकेनिक चौक, जायका होटल के पास पुलिया संकरी

ट्रॉफिक की समस्या से जूझते हैं वाहन चालक

लेकिन सेंट्रल स्कूल से करबला तक बनने वाली सडक के लिए फंड नहीं आने से फिलहाल यह काम रूका हुआ है। जबकि पुलिया निर्माण के लिए पाइप भी आकर रखे है। नपा अधिकारियों का कहना है कि यदि सडक को प्रशासनिक स्वीकृति मिल जाती है तो नपा सडक और पुलिया दोनों साथ-साथ निर्माण कराने पर विचार कर रही है। इससे नगरपालिका अतिरिक्त व्यय से भी बच जायेगी, लेकिन अभी तक सडक को लेकर फंड नहीं आया है। इधर गंज क्षेत्र की तीन संकरी पुलिया यातायात में रोढ़ा बन रही है। सबसे ज्यादा समस्या जायका रेसटारेंट के पास है, यहां की पुलिया टूट-फूट चुकी है और इसे पार करने के लिए 8 फीट की जगह मात्र है। यहां होटल, बड़े शारूम होने के कारण वाहनों की आवाजाही ज्यादा है,। पुलिया संकरी होने के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या बनी रहती है। इसके अलावा भारतीय जनता पार्टी कार्यालय के पास आए दिन होने वाले बड़े आयोजनों में सैकड़ों की संख्या में वाहन आते हैं। जिससे यहां पर भी टूटी संकरी पुलिया ट्रैफिक जाम कर देती है। रोजाना स्कूल बस, ट्रक, जीप, कार सहित सैकड़ों वाहनों की आवाजाही के कारण गंज के कांतिशिवा चौक से

लेकर भाजपा भवन तक का ट्रैफिक रुक-रुककर चलता है जिसके कारण वाहन चालकों सहित पैदल यात्रियों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

आए दिन लगते है छोटे-छोटे जाम : गंज में तीन संकरी पुलिया है। जिसके कारण आए दिन छोटे-छोटे जाम लगते हैं और यातायात बुरी तरह से प्रभावित हो जाता है। गंज में मैकेनिक चौक के पास ही बस स्टैंड है, ट्रक और बस सहित भारी वाहनों की आवाजाही के कारण इन संकरी पुलिया से दो वाहन एक साथ क्रास नहीं हो पाते हैं, इसलिए बार-बार ट्रैफिक जाम हो जाता है। सबस ज्यादा समस्या जायका रेसटारेंट के पास है, यहां की पुलिया टूट-फूट चुकी है और इसे पार करने के लिए 8 फीट की जगह मात्र है, जिसके चलते यहां होटल, बड़े शारूम होने के कारण वाहनों की आवाजाही ज्यादा है जिसके कारण बार-बार ट्रैफिक जाम की समस्या बनी रहती है।

सड़क की सिर्फ तकनीकी स्वीकृति, फंड नहीं

बैतूल गंज में आवागमन को सुगम बनाने के लिए शहरी सुधार कार्यक्रम के तहत नगरपालिका ने 27 .75 करोड़ रुपए की लागत से नई सडक निर्माण का प्रपोजल बनाकर शासन को भेजा था, जहां से तकनीकी स्वीकृति तो मिल गई है, लेकिन अभी तक सडक निर्माण को लेकर फंड नहीं आया है। नपा अधिकारियों का कहना है कि पुलिया निर्माण के लिए प्लान बनाया गया है। लेकिन अभी सडक के लिए फंड नहीं मिला है। हम चाह रहे है कि सडक के लिए भी फंड आ जाता तो सडक और पुलिया का निर्माण साथ-साथ हो जाता, लेकिन वित्तीय स्वीकृति नहीं मिलने से अब पुलिया अलग से बनाने पर विचार किया जायेगा।

पुलिया निर्माण के लिए प्लान बनाया गया है। लेकिन अभी सडक के लिए फंड नहीं मिला है। हम चाह रहे है कि सडक के लिए भी फंड आ जाता तो सडक और पुलिया का निर्माण साथ-साथ हो जाता, लेकिन वित्तीय स्वीकृति नहीं मिलने से अब पुलिया अलग से बनाने पर विचार किया जायेगा। जो पाइप आये है, वह ठेकेदार के है।

नीरज धुर्वे, एई, नगरपालिका बैतूल

सड़क पुलिया बनने से ट्रॉफिक को मिलेगी रफ्तार

सडक और पुलिया चौड़ी होने के बाद गंज क्षेत्र में ट्रॉफिक को रफ्तार मिलेगी। अभी हालात यह है कि संकरी पुलिया के कारण दो वाहन एक साथ क्रॉस नहीं हो पा रहे है। वहीं बार-बार जाम लग रहा है। गंज में सेंट्रल स्कूल, रेलवे स्टेशन, सहित व्यापारिक क्षेत्र है। जिससे यहां हमेशा यातायात का दबाव बना रहता है। यदि सडक सेंट्रल स्कूल से करबला तक टू-लेन सडक बनती है तो अंडर ब्रिज, नागपुर नाका होते हुए करबला ब्रिज तक जाएगी। यह सडक कुल 2850 मीटर लंबी और 24 मीटर चौड़ी रहेगी। इस परियोजना में डिवाइडर के साथ सेंट्रल पोल लगाकर विद्युतीकरण भी किया जाएगा। सडक के दोनों तरफ पक्की नाली, फुटपाथ और यूटिलिटी डक्ट का निर्माण होगा। इस सडक के बनने से बैतूल शहर की आठनेर बड़ोरा और करबला ब्रिज-तितली चौराहा से फोरलेन के लिए सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी।

एक नजर में

आकाशीय बिजली गिरी, बुजुर्ग घायल

शाहपुर। किशन लाल बेले पिता सालक राम बेले निवासी टेमरु माल उम्र 70 साल आज अपने खेत में बैल चरा रहे थे कि अचानक तेज बारिश व हवा से बचाव के लिये अपने ही खेत में लगे महुआ के झाड़ के नीचे अपने खेत पड़ोसी मोहन शिलूकर निवासी टेमरु के साथ पानी से बचाव के लिए खड़े हो गए, तभी अचानक तेज गर्जना के साथ बिजली चमकी और महुआ के झाड़ पर गिरीद्ध जिससे महुआ का झाड़ बीच से फटकार दो भागों में बट गया व उसके नीचे खड़े सालक राम बेले के ऊपर भी बिजली गिर गई। जिससे उनके उल्टे पैर की जांग व सीना झुलस गया, जिन्हें आस-पास के खेत वालो व परिवार वालों के द्वारा अपने निजी वाहन बोलेरो से शाहपुर अस्पताल लाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक आज

बैतूल। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन बैतूल की नियमित मासिक बैठक आज 5 अक्टूबर, रविवार को सुबह 11 बजे जिला अध्यक्ष सुंदरलाल कड़वे के निवास इटारसी रोड सदर में आयोजित होगी। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। एसोसिएशन की गतिविधियों में नवाचार और सुदृढ़ीकरण को लेकर रणनीति तय की जाएगी। जिला अध्यक्ष सुंदरलाल कड़वे और सचिव शिवचरण हजारे ने सभी पेंशनर्स साथियों से आग्रह किया है कि बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों।

अजमीढ़ देव जयंती समारोह 7 को

बैतूल। स्वर्णकार समाज के आराध्य महाराज श्री 1008 अजमीढ़ देव जी की जयंती आगामी 7 अक्टूबर को धूम-धाम से मनाई जाएगी। पिछले दिनों समाज की हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया है। इस दौरान समाज के वृद्धजनों, प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और समाज के पूर्व सैनिकों का भी सम्मान किया जाएगा। आर्दश स्वर्णकार समाज सेवा समिति के अध्यक्ष संजय सोनी ने बताया कि अजमीढ़ देव जयंती 7 अक्टूबर को 10 .30 बजे केसर बाग, सिविल लाईन से विशाल शोभायात्रा और वाहन रैली निकाली जाएगी। शोभायात्रा बाबू चौक, गंज प्रायमरी स्कूल, दिलबाहर चौक, टांगा स्टेंड, गुप्ता मॉल, शिवाजी चौक, मुल्ला पेट्रोल पंप, बस स्टेंड, मुर्गी चौक, कॉलेज चौक से होते वापस केसर बाग पहुंचेगी।

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा पॉवर हाउस अस्पताल

बैतूल। बैतूल जिला मुख्यालय से करीब 60 किलोमीटर दूर एक छोटा सा कस्बा सारनी स्थित है। वर्ष 1965 के आसपास वहां सतपुड़ा ताप विद्युत गृह की स्थापना हुई थी।

वर्ष 2007 तक सतपुड़ा थर्मल पावर स्टेशन मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा पावर प्लांट था, लेकिन कुछ पुरानी यूनिट बंद होने के बाद वर्ष 2019 से यह मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी का मध्य प्रदेश का तीसरा बड़ा थर्मल पॉवर स्टेशन बन गया। वर्ष 2014 से 250-250 मेगावाट की दो यूनिट यहां बिजली का उत्पादन कर रही हैं। सारनी के

आसपास सुरम्य वन क्षेत्र है। यहां भरपूर वन संपदा उपलब्ध है। वनों में स्थित सागौन, साल, पलास तथा अन्य वृक्ष यहां की हरी-भरी घाटियों को बेहद सुंदर बनाते हैं। इस क्षेत्र की आबादी करीब 86 हजार के आसपास है। सारनी पावर हाउस अस्पताल आसपास के क्षेत्र में संजीवनी साबित हो रहा- दरअसल बात हो रही है सारनी पावर हाउस के अस्पताल की जहां कंपनी कार्मिकों के अलावा अन्य समुदाय के लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल बेहतर तरीके से की जा रही है। सारनी पावर हाउस में करीब 580 से ज्यादा अभियंता व कार्मिक कार्यरत हैं। यह कार्मिक सुविधाजनक आवासीय परिसर में रहकर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। सारनी कस्बे में बच्चों की पढ़ाई के लिए केन्द्रीय विद्यालय है, बाजार है और बुनियादी जरूरत की सारी सुविधाएं यहां पर उपलब्ध हैं। 55 वर्ष पुराना अस्पताल पूर्णत: सुसज्जित सारनी स्थित यह अस्पताल 1971 में स्थापित हुआ। इस अस्पताल के पहले चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार थे जो बाद में मध्य प्रदेश राज्य विद्युत मंडल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी नियुक्त हुए।

स्वयं सेवक संघ ने निकाला पथ संचलन

मुलताई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर ग्राम-ग्राम, नगर-नगर बस्ती सहखंड एवं मंडलों पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा पथ संचलन निकाला जा रहा है।

जिसके चलते संघ की दृष्टि से खंड मासोद के सिरसावाडी ग्राम में विजयादशमी के अवसर पर स्वयंसेवकों द्वारा पथ संचलन निकाला गया। इस दौरान विशेष अतिथि के नेतृत्व में भगवा ध्वज का ध्वजारोहण कर संघ प्रार्थना की। जिसके बाद सिरसावाडी के दूध डेरी मैदान से स्वयंसेवक कदम ताल करते हुए भारत माता के जयकारे व गीत के साथ संचलन में

चलते रहे, इस दौरान ग्रामीणों ने घर आंगन सजाकर रंगोली सजाई गई वहीं पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का अभिनंदन किया गया। संचलन के बाद मंडल पलक हिमांशु कटारे ने कहा संघ के पंच परिवर्तन,जिसमें सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण व स्वदेशी से देश की नीति बदलकर विश्व पटल पर अपना परचम लहराया।संघ के 100 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं जो अब वटवृक्ष बन चुका है,संघ को समझने के लिए संघ की शाखा में आना अनिवार्य है। संचलन में स्वयंसेवक सहित खंड कारवां कृष्णा डंडारे सहित खंडपालक हिमांशु कटारे एवं ग्राम के गणमान्य नागरिक व स्वयं सेवक मौजूद रहे।

लापाझिरी आंगनबाड़ी केंद्र में राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन

बैतूल। एकीकृत महिला एवं बाल विकास परियोजना बैतूल ग्रामीण के अंतर्गत सेक्टर बैतूल-2 के आंगनबाड़ी केंद्र लापाझिरी में राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया गया। यह अभियान 17 सितंबर से प्रारंभ होकर 16 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती अर्चना तिवारी के मार्गदर्शन में किया गया। पोषण माह की थीम के अनुसार इस अवसर पर पोषक देखभाल करने वाले पुरुषों को पोषण चैंपियंस के रूप में सम्मानित किया गया। उनकी प्रेरणादायक कहानियां सोशल मीडिया पर साझा कर समाज में जागरूकता का संदेश दिया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उपसरपंच जितेंद्र रावत, प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक अखिलेश पवार, पंच श्रीमती सोना पवार, भूतेबाई काकोड़िया, स्वास्थ्य विभाग की टीमङ्क एलएचवी किरण अहिरवार, सीएचओ रीता दरवाई, एएनएम ममता टीकम और आशा कार्यकर्ता कांता काले का विशेष योगदान रहा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती ललिता हजारे, श्रीमती गीता गंगारे, श्रीमती फुलमत दोबारे, सुश्री शारदा अकोदिया एवं सहायिका बाया बाई ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तीसरे दिन भी जारी रहा देवी प्रतिमा विसर्जन

मुलताई। पवित्र नगरी मुलताई में विराजी मातारानी की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए नगर पालिका द्वारा नगर से 8 किमी दूर बुकाखेड़ी बांध स्थल के पास पृथक से कुंड बनाकर व्यवस्था की गई हैं। सार्वजनिक मंडलों सहित घर-घर में विराजी देवी प्रतिमाओं का विसर्जन श्रध्दालुओं द्वारा बुकाखेड़ी बांध पहुंचकर किया जा रहा हैं या फिर ताप्ती तट पर खडे नगर पालिका के वाहनों को विसर्जन के लिए प्रतिमाएं सौंपी जा रही हैं। नगर में देवी प्रतिमाओं का विसर्जन विजयादशमी की रात्रि से प्रारंभ हो चुका हैं। शनिवार को श्रध्दालुओं द्वारा चौक चौराहो पर विराजी मातारानी की प्रतिमाओं

को बाजे-गाजे के साथ नाचते-गाते बुकाखेडी बांध पहुंचकर विसर्जन किया गया। देवी प्रतिमाओं का विसर्जन गुरुवार दोपहर से ही प्रारंभ हो गया था। नगर के अधिकांश सार्वजनिक दुर्गा उत्सव मंडलों द्वारा डीजे एवं बाजे-गाजे की धुन पर नाचते-गाते हुए बुकाखेड़ी बांध विसर्जन स्थल जाकर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। सार्वजनिक दुर्गा उत्सव मंडलों एवं घरों में विराजित अधिकांश देवी प्रतिमाएं बडी-बड़ी होने से नगर पालिका द्वारा विसर्जन के लिए क्रेन की व्यवस्था की गई थी।

आवारा पशुओं से त्रस्त वार्डवासी, नपा की लापरवाही उजागर

सारनी। नगर पालिका प्रशासन आवारा पशुओं की समस्या से निपटने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा है। वार्डों की गलियों और सड़कों पर खुलेआम विचरण कर रहे पशु न केवल यातायात बाधित कर रहे हैं, बल्कि घरों के सामने गंदगी फैलाकर वार्डवासियों के लिए भारी परेशानी का सबब बन गए हैं। जिला कलेक्टर द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए जाने के बाद भी अब तक पशु मालिकों पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई। नगर पालिका की ढुलमुल कार्यशैली से नागरिकों में आक्रोश व्याप्त है। नगर पालिका के पास गौशाला का अभाव है, वहीं सारनी क्षेत्र की पानी की टंकी के पास बने मेंटेनेंस ऑफिस में दुर्घटनाग्रस्त पशुओं का उपचार अवश्य ईमानदारी से किया जा रहा है। घायल पशुओं को दवाइयाँ, इंजेक्शन और भोजन उपलब्ध कराया जाता है, किंतु सड़कों पर घूमते आवारा पशुओं को पकड़ने और उनके मालिकों पर नकेल कसने में नगर पालिका की उदासीनता साफ झलकती है। इस विषय पर नगर पालिका अधिकारी सीएमओ सी के मेश्राम से चर्चा करनी चाहिए मगर व्यवस्था की वजह से दूरभाष पर चर्चा नहीं हो पाई। नागरिकों का कहना है कि यदि शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आवारा पशुओं की समस्या भयावह रूप धारण कर सकती है।

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह से सेवानिवृत्त हुए 7 कर्मचारी

सारनी। सारनी सतपुड़ा ताप विद्युत गृह से सितम्बर माह में सेवानिवृत्त हुए सात कार्मिकों को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर मुख्य अभियंता व्ही.के. कैथवार, अतिरिक्त मुख्य अभियंता एस.एन. सिंह, मुख्य रसायनज्ञ पीयूष गुप्ता एवं महाप्रबंधक मानव संसाधन नरेश पनवार ने सभी को पुष्पगुच्छ, शाल-श्रीफल, मिठाई एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सहायक अभियंता टी.एन. मेघशयाम ने स्व सुरक्षा निधि समिति को अपनी राशि पुन: लौटाकर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। समिति की ओर से उन्हें विशेष अभिनंदन पत्र और

स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हरिशंकर डिगरसे, अजाबराव वागदरे, सुभाषचंद्र देशमुख, शंकरराव बारसकर, बलवंतसिंह रघुवंशी एवं मंचितराव पाटील को भी समिति की ओर से सम्मानित किया गया। समारोह में समिति के सचिव अम्बादास सूने ने बताया कि समिति विगत वर्षो से कार्मिकों के हित में कार्यरत है और आकस्मिक परिस्थिति में आर्थिक सहयोग प्रदान करती है। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी, समिति सदस्य एवं सेवानिवृत्त कार्मिकों के परिवारजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रतिबंध के बाद भी नगर में कानफोडू आवाज में बजे डीजे

मुलताई। वैसे तो सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार डीजे बजाने पर पूर्णतह प्रतिबंध लगा हुआ है। लेकिन इसके बाद भी नगर सहित क्षेत्र में धडल्ले से ध्वनि विस्तारक यंत्रो के नाम पर डीजे बजाए जा रहे है। लेकिन प्रशासन द्वारा कार्रवाई नही की जा रही है त्यौहारों को द्रष्टिगत रखते हुए शांति समिति की बैठक में डीजे में 2 बाक्स रखकर डीजे बजाने की अनुमति दिए जाने का निर्णय लिया गया था। अभी कुछ दिन पहले ही कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सुर्यवंशी द्वारा क्षेत्र में धारा लागु करते हुए बिना अनुमति डीजे बजाने पर कार्रवाई करने के निर्देश

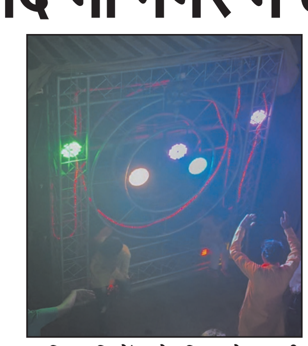

अधिकारियों को दिए थे। वही नवागत पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र जैन द्वारा भी अपना व्यक्तिगत वीडियों सोशल मीडिया पर जारी किया गया था । जिसमें सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी गाइड लाइन के अनुसार ध्वनि विस्तारक यंत्रो का उपयोग करने की अपील आम जनता से की गई थी। लेकिन इसके बाद भी प्रतिमा विसर्जन के दौरान कान फोडू आवाज में जमकर डीजे बजाए गए। प्रदेश में दिसम्बर के माह में नई सरकार आने के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा 13 दिम्सबर 2023 को जारी किया गया था । जिसमें प्रत्येक क्षेत्र के लिए अलग अलग क्षमता निर्धारित की गई थी। औद्योगिक क्षेत्र में दिन के समय 75 डेसिबल रात्रि के समय 70 डेसिबल,व्यवसायिक क्षेत्र में दिन के समय 65 डेसिबल एवं रात्रि के समय 55 डेसिबल, आवासीय क्षेत्र में दिन के समय 55 डेसिबल रात्रि के समय 45 डेसिबल तथा साइलेंट जोन में दिन के समय 50 डेसिबल रात्रि के समय 40 डेसिबल क्षमता तय बताई गई । निर्धारित क्षमता से अधिक डेसिबल पर ध्वनि वितारक यंत्र का उपयोग करने पर कार्यवाही किए जाने के आदेश किए गए थे। नगर में विसर्जन के दौरान यह भी देखने में आया है कि अधिकांश विसर्जन के आयोजकों द्वारा कार्यक्रम में ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग करने की अनुमति नही ली जाती है। नियमानुसार ध्वनि विस्तारक यंत्रो का उपयोग करने के पूर्व कार्यक्रम के आयोजक को प्रशासन से अनुमति प्राप्त करना होता है।

जांच खेडीकोर्ट हायर सेकेडंरी स्कूल भवन के 20 में से 15 कमरे क्षतिग्रस्त

5 कमरों में लग रहा है स्कूल, एक कमरे में लगती हैं 2-2 कक्षाएं

मुलताई। ब्लाक अंतर्गत ग्राम खेडीकोर्ट में स्थित हायर सेकेडंरी स्कूल भवन के हाल बेहाल है।स्कूल भवन में कुल 20 कमरे है। जिसमें से 15 कमरें क्षतिग्रस्त है।

भवन क्षतिग्रस्त होने से 1 कक्ष में 2-2 कक्षाए लगानी पड रही है। जिसके कारण विद्यार्थियों को पढाई में परेशानी होती है। यही कारण है कि बच्चे इस स्कूल में प्रवेश नही लेना चाहते है । जो कि गांव से अन्यत्र दुसरे स्कूल में प्रवेश लेते है। जिससे स्कूल में लगातार दर्ज संख्या कम हो रही है। वर्तमान में स्कूल में गणित,विज्ञान, कला,एग्रीकल्चर विषय में कक्षा 9 वी से 12 वी तक के विद्यार्थी अध्यनरत है। जिसके चलते कक्षा

9वी एवं 10 की 1-1 तथा 11 वी एवं 12 वी की 4-4 कक्षाए लगती है। जिसके लिए 10 कक्षो की आवश्यकता स्कूल प्रशासन को है। लेकिन सिर्फ 5 कक्ष ही ठीक होने से 1-1 कक्ष मे एक साथ 2-2 कक्षाए लगाना पड रहा है। इसके अलावा स्कूल में प्रेक्टीकल लेब, पुस्तकालय, शौचालय, स्टाफ रूम की कमरों की कमी के चलते उपलब्धता सुनिश्चित नही हो पाती है। इस संबध में स्कूल प्रशासन द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत भी कराया जा चुका है। लेकिन फिर भी स्कूल भवन स्वीकृति नही मिल पा रही है। जबकि स्कूल भवन निर्माण के लिए 5 हजार वर्गफुट भुमि स्कूल के पास उपलब्ध है। पुराने स्कूल भवन का कंडम घोषित करवाकर स्कूल भवन तोडकर नए स्कूल भवन का निर्माण कराया जा सकता है। लेकिन स्वीकृति के अभाव में नए स्कूल भवन का निर्माण नही हो पाने से विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड रहा है । खेडीकोर्ट हायर सेकेडंरी स्कूल में 4 विषयों की कक्षाए संचालित होती है। जिसमें गणित, विज्ञान, कला, एवं एग्रीकल्चर के विद्यार्थी अध्ययन करते है। वर्तमान में स्कूल में कक्षा 9 वीं से 12 तक की 10 कक्षाए संचालित होती है। कक्षाओं के संचालन के लिए स्कूल कक्ष कम पड रहे है।

भवन 40 साल पुराना होने से हो चुका है क्षतिग्रस्त

ग्राम खेडीकोर्ट हायर सेकेडंरी स्कूल का भवन 40 साल पुराना है। बताया जाता है वर्ष 1984 में स्कूल भवन का निर्माण किया गया था । जिसके चलते स्कूल भवन के 20 मे से 15 कमरे ज्यादा क्षतिग्रस्त हो चुके है। जहां पर कक्षाए लगाना खतरे से खाली नही है। इस कारण स्कूल प्रशासन द्वारा 15 क्षतिग्रस्त कमरों को बंद कर रखा गया है। स्कूल में सिर्फ 5 कमरें ही थोडी ठीक में होने से यहां कक्षाए लगाई जा रही है । भवन क्षतिग्रस्त होने से मजबुरी वश एक कमरे में 2-2 कक्षाओं का संचालन करना पड रहा है । स्कूल प्राचार्य द्वारा क्षतिग्रस्त भवन की जानकारी बीईओं एवं बीआरसी को देकर नए स्कूल भवन स्वीकृति के लिए पत्र लिखा जा चुका है।

बैतूल में एक राष्ट्र-एक चुनाव पर परामर्श सम्मेलन

बैतूल। बैतूल में एक राष्ट्र-एक चुनाव की अवधारणा पर एक महत्वपूर्ण परामर्श सम्मेलन आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक सशक्त, पारदर्शी और सरल बनाना था। यह आयोजन शनिवार दोपहर 1 बजे अटल बिहारी वाजपेयी सभागृह (पीएम श्री जेएच कॉलेज) में संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में जिले के बुद्धिजीवी, जनप्रतिनिधि और जागरूक नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। यह कार्यक्रम एक राष्ट्र-एक चुनाव अभियान के तहत आयोजित किया गया था। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश और एक राष्ट्र-एक चुनाव मध्य प्रदेश के प्रदेश संयोजक रोहित आर्य मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने इस अवधारणा

की आवश्यकता, संभावनाओं और इसके कार्यान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री और बैतूल-हरदा-हरसूद लोकसभा क्षेत्र के सांसद दुर्गादास उइके ने सम्मेलन की अध्यक्षता की। उन्होंने इस विचार को विकसित भारत की दिशा में एक निर्णायक कदम बताते हुए आम जन की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। जिला संयोजक अतीत पवार ने जानकारी दी कि ऐसे परामर्श सम्मेलनों का मुख्य उद्देश्य आम जनता को इस मुद्दे पर जागरूक करना और व्यापक स्तर पर संवाद स्थापित करना है, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक प्रभावशाली बनाया जा सके। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों, विधि विशेषज्ञों ने भी सम्मेलन में भाग लिया।